जनवरी 2023

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

विरोधी भाजपा

R.N.I. No. 68832/97

सामाजिक न्याय की लड़ाई समाजवादी पार्टी ही लड़ सकती है और सभी को अधिकार दिला सकती है। समाजवादी पार्टी में बड़ी संख्या में युवा हैं। वे निराश हुए बिना जनता से जुड़े मुद्दों पर संघर्ष जारी रखें और हर स्तर पर पार्टी को मजबूत करने में जुट जाएं।

मुलायम सिंह यादव

संस्थापक , समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन

जनवरी 2023

वर्ष 24| संख्या 03

प्रिय पाठकों

नव वर्ष की शुभकामनाएं

आप सभी के प्यार, उत्साहवर्धन एवं मार्गदर्शन से आपकी प्रिय पत्रिका समाजवादी बुलेटिन, बदली हुई साज-सज्जा के साथ अपने तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। हम आपके आभारी हैं कि अभी तक के सफर में हम आपकी कसौटी पर खरे उतर सके हैं। हम भरोसा दिलाते हैं कि भविष्य में भी आपकी उम्मीदों पर खरा उतरने की हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। कृपया अपना प्यार यूं ही बनाए रखें।

धन्यवाद

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक

प्रोफेसर रामगोपाल यादव

☎ 0522 - 2235454

samajwadibulletin19@gmail.com

bulletinsamajwadi@gmail.com

Mob:- 9598909095

/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए

19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित

आस्था प्रिंटर्स, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

आरक्षण बचाने को साझा लड़ाई लड़ें 12

10 कवर स्टोरी

आरक्षण विरोधी भाजपा

सोशलिस्टों ने बांधी गांठ... 14

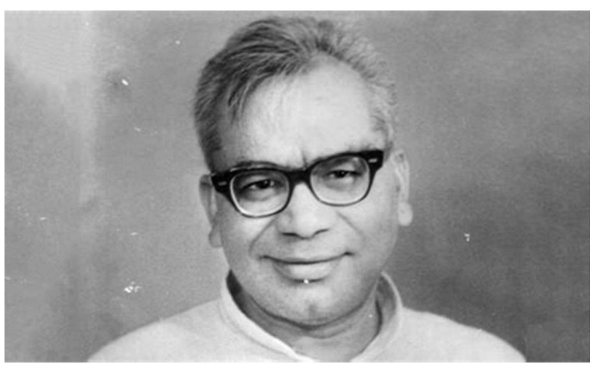

डॉक्टर राममनोहर लोहिया भारत में संवैधानिक मूल्यों पर आधारित सच्चा लोकतंत्र क़ायम करना चाहते थे इसीलिए उन्होंने जीवंत और जाग्रत आह्वान किया था "सोशलिस्टों ने बांधी गांठ, पिछड़े पावें सौ में साठ" । उनके इसी आह्वान को समाजवादी पार्टी समाज के सभी तबकों में स्थापित करना चाहती है।

जनेश्वर मिश्र: बड़े सपनों वाले नेता 40

लोकतंत्र बनाम गणतंत्र 04

लोकतंत्र बनाम गणतंत्र

उदय प्रताप सिंह

भारत का लोकतंत्र धीरे-धीरे चुनी हुई तानाशाही की ओर बढ़ता चला जा रहा है। हमारे संविधान में साफ लिखा है कि हम इस देश को एक ऐसा गणतंत्र बनाएंगे जिसमें लोकतंत्र होगा, धर्मनिरपेक्षता होगी, समाजवाद होगा और सब को आर्थिक सामाजिक न्याय दिया जाएगा।

ध्यान देने की बात यह है कि भारत का संविधान अमेरिका के गणतंत्रवाद व इंग्लैंड के बहुमत के शासन दोनों पर आधारित है। इंग्लैंड में राष्ट्र प्रमुख चुना हुआ नहीं होता वह वंशानुगत होता है। राजा का बेटा राजा होगा लेकिन वहां पर लोकतंत्र है। सरकार चुनी हुई होगी। जिसका बहुमत होगा उसकी सरकार होगी लेकिन बहुमत का अर्थ यह नहीं है कि चुनी हुई सरकार मनमानी करे।

इंग्लैंड में कहा जाता है इंग्लैंड की संसद सब कुछ कर सकती है। केवल स्त्री को पुरुष नहीं बना सकती। संपूर्ण अधिकार सम्पन्न संसद होती है। अगर देश, इंग्लैंड की तरह पढ़ा लिखा है, लोग जागरूक हैं तो बहुमतवाद उसका फायदा नहीं उठा सकता।

भारत जैसे देश में जहां शिक्षा,बेरोजगारी और गरीबी प्रमुख है जिसके कारण भारत के अधिकांश लोग अपनी बात कह भी नहीं सकते हैं और उन्हें कुछेक कहने भी नहीं दिया जाता है।

हालांकि हमारे संविधान निर्माताओं ने यह ध्यान रखा था कि हम लोकतंत्र के साथ इस देश को गणराज्य भी बनाएंगे क्योंकि गणतंत्र में मानवाधिकार और व्यक्तिगत स्वतंत्रता और उसकी रक्षा का पूरा ध्यान रखा जाता है। रोज़मर्रा के शासन में जनता की भागीदारी गणतंत्र का सिद्धांत ही सुनिश्चित करता है।

चुनी हुई बहुमत की सरकार अगर चाहे तो मनमानी भी कर सकती है इसलिए जहां इंग्लैंड में संसद प्रमुख है वहीं अमेरिका की तरह हमारे देश में भारतीय संविधान प्रमुख माना गया है। बहुमत कितना ही ज्यादा हो लेकिन संविधान के मूल ढांचे में परिवर्तन नहीं कर सकता।

गणतंत्र में जनता की शासन में साझेदारी और विकेंद्रीकरण पर अधिक जोर दिया गया है जिससे रोजमर्रा के शासन में जनता की भागीदारी सुनिश्चित हो।

हमारे देश में चुनने के बाद शासन में जनता की साझेदारी लगभग समाप्त हो जाती है। अगर अधिक बहुमत से सरकार आती है तो वह यह समझती है कि वह जनता के मूल अधिकारों में भी कटौती कर सकती है। प्रेस को भी दबा सकती है, सार्वजनिक सम्पत्ति नीलाम कर सकती है, स्वायत्तता प्राप्त संस्थाओं की स्वायत्तता में कटौती कर सकती है।

चुनी हुई तानाशाही के यही लक्षण होते हैं। लेकिन गणतंत्र में संविधान प्रमुख होता है और अगर संविधान की मानी जाए तो व्यक्तिगत स्वतंत्रता लोकतंत्र से ज्यादा महत्वपूर्ण है। इसलिए संविधान की रक्षा के लिए भारत के संविधान में सर्वोच्च न्यायालय को सारे अधिकार दिए गए।

बहुमत का अर्थ यह नहीं है अगर कोई सरकार 400 सांसदों से बनी है तो वह कुछ भी कर सकती है। इसलिए आजकल भारत में सर्वोच्च न्यायालय, न्यायाधीशों की नियुक्ति के मामले में बहुमत की सरकार के आगे झुकने को तैयार नहीं है। बहुमत का यह अर्थ नहीं होता कि वह संविधान से हटकर शासन चला सके। स्वतंत्रता और जनता के मूल अधिकार हमारे संविधान में प्रमुख हैं। उनमें कटौती करने का अधिकार शासन को आपातकाल को छोड़कर किसी स्थिति में नहीं है।

स्वतंत्रता का अर्थ, व्यक्तिगत स्वतंत्रता। हमारे धर्म की स्वतंत्रता, हमारे खानपान की स्वतंत्रता, जीवन शैली की स्वतंत्रता, कहीं आने जाने की स्वतंत्रता। इस स्वतंत्रता पर कोई सरकार चाहे कितने ही बहुमत में क्यों न हो सामन्यतः कोई कटौती नहीं कर सकती लेकिन हमारे यहां यह भी हो सकता है और हो रहा है।

इसलिए मैं यह कहता हूं कि कोई माने न माने हम धीरे-धीरे चुनी हुई तानाशाही की तरफ बढ़ रहे हैं। इसके लिए बहुत जरूरी है कि जनता समझदारी से काम ले, संघर्ष करे और शासन में अपनी हिस्सेदारी समझे।

विपक्ष संविधान की अवमानना के मामले में अपने निहित स्वार्थ से ऊपर उठकर लोकतंत्र में लोक से अधिक तंत्र को हावी न होने दे। सरकारों के तीन अंग अपने अधिकारों की रक्षा करते हुए ध्यान रखें कि लक्ष्मण रेखा पार न करें। यह समझना आवश्यक है।

जयहिंद!

फोटो स्रोत : गूगल

नेताजी की याद में क्रिकेट टूर्नामेंट

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के संस्थापक श्री मुलायम सिंह यादव-नेताजी के जन्मदिवस के अवसर पर खेल उत्सव के तहत मुजफ्फरनगर में मुलायम सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया।

खेल उत्सव के प्रबंधक रोहन त्यागी ने बताया कि क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच चौहान क्रिकेट एकेडमी सहारनपुर और मुजफ्फरनगर के बीच खेल गया था जिसमें मुजफ्फरनगर ने सहारनपुर एकेडमी को 21 रन से हराया। मैच में मुजफ्फरनगर के कप्तान मानव राठी को 19 रन और 2 विकेट लेने पर मैन ऑफ द मैच का चुना गया। मैच के अंपायर शादाब और मुनिब रहे जबकि स्कोरर की जिम्मेदारी मोनू ने बखूबी निभाई।

उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रमोद त्यागी एवं उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि खतौली विधायक मदन भैया व पुरकाजी से विधायक अनिल कुमार एवं मीरापुर के विधायक चंदन चौहान रहे।

टूर्नामेंट के दौरान समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व महानगर अध्यक्ष अंसार आड़ती, जिला कोषाध्यक्ष सचिन अग्रवाल, युवजन सभा के जिलाध्यक्ष फिरोज अंसारी, लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष संदीप धनगर आदि मौजूद रहे। खेल उत्सव के प्रबंधक व लोहिया वाहिनी के निवर्तमान राष्ट्रीय सचिव रोहन त्यागी एवं कार्यक्रम के सचिव कुमार गौरव सिद्धार्थ ने क्रिकेट कोच की भूमिका निभाई।

खेल उत्सव का सेमीफाइनल बिजनौर और मुजफ्फरनगर के बीच खेला गया जिसमें मुजफ्फरनगर ने बिजनौर को 8 विकेट से हराया। रोहन त्यागी ने बताया की फाइनल मैच मुजफ्फरनगर और गाजियाबाद के बीच लखनऊ में खेला जाएगा। फाइनल की तारीख अभी तय नहीं है।

समाजवादियों ने मनाया सांसद डिंपल जी का जन्मदिन

बुलेटिन ब्यूरो

मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी की सांसद श्रीमती डिंपल यादव का जन्मदिन समाजवादियों ने प्रदेशभर में सादगी से मनाया। समाजवादियों ने इस मौके पर उनके दीर्घायु की कामना करते हुए गरीबों में फल व कंबल का भी वितरण किया।

समाजवादी पार्टी के मुख्यालय लखनऊ में 15 जनवरी को सांसद श्रीमती डिंपल यादव का जन्मदिन मनाने के लिए तमाम समाजवादी जुटे थे जिसमें महिलाओं की तादाद ज्यादा थी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के साथ श्रीमती डिंपल यादव पार्टी मुख्यालय पर पहुंचीं तो उनके स्वागत में किशन सिंह के ब्रास बैंड ने बधाई गीत से उनका स्वागत किया।

सैकड़ों की तादाद में जुटीं महिला कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाएं व पुष्पगुच्छ देकर सांसद श्रीमती डिंपल यादव को जन्मदिन की बधाई दी। किन्नर पायल सिंह ने श्री अखिलेश यादव व सांसद डिंपल यादव की आरती उतारकर उनका स्वागत किया।

सांसद श्रीमती डिंपल यादव का जन्मदिन मनाए जाने से पहले राजस्थान के श्री गुरू महाराज श्री पवन जी और राज पुरोहित पं० हरि प्रसाद मिश्र के स्वस्तिवाचन के साथ श्री अखिलेश यादव की प्रबल विजय व दंपति के दीर्घ-सुखी जीवन की कामना की।

जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं के प्यार व स्नेह के लिए सांसद श्रीमती डिंपल यादव ने सभी के प्रति आभार जताया।

सपा मुख्यालय पर पहुंचीं श्रीमती अन्नू टण्डन, जूही सिंह, लीलावती कुशवाहा, सुषमा पटेल, पूर्व विधायक संध्या कठेरिया, नेहा यादव, पूजा शुक्ला, जरीना उस्मानी, नाहिद लारी खान, पूजा यादव (काशीपुत्री), नीलम यादव, अनुपमा राजपूत, किरन पांडेय, पूजा यादव बुंदेलखंडी, मंजू यादव, किरन कठेरिया, मेहनाज कहकशां सिद्दीकी, अफसर जहां, चिंता यादव, शर्मिला महाराज, विनीता लोधी, शीला सिंह, प्रेमलता यादव, रेनू बाला, चांदनी कश्यप, शिवा सिंह, रमा यादव, कालिन्दी भारद्वाज, वंदना चतुर्वेदी, रश्मि पाल, लता जैसवार आदि ने महिला कार्यकर्ताओं के साथ श्रीमती डिंपल यादव को जन्मदिन की बधाई व शुभकामनाएं दीं।

नेताजी को शत शत नमन

-डॉ ऋचा यादव

नेताजी जब से आप आसमान के तारे बन गए,
तारे हमारे और भी प्यारे बन गए।
आप की टिमटिमाती रोशनी सही राह हमें दिखलाएगी,
अपनी मंजिल, सोच और मुकाम तक पहुंचाएगी।
अपना सबसे अजीज तारा भेजा था खुदाया ने जमीन पर,
जो जिया तो, पर सिर्फ, दूसरों के लिए उम्र भर।
जब सूरज किसी पर ढला, तो आप चाँद बन उदय हुए,
जब समुन्दर में कोई डूबा, तो आप किनारा बन खड़े हुए।
आपकी सरलता, सादगी के हम दीवाने बन गए,
जब से आप आसमान के तारे बन गए,
तारे हमारे और भी प्यारे बन गए।

आपका वो कड़क आवाज में हमें पुकारना,
फिर प्यार से हमारी गलती सुधारना।
आपका हर अंदाज, हमें बहुत याद आएगा,
दिल में एक कसक और आंखों में आंसू छोड़ जाएगा।
आपका जीवन स्वयं एक मार्गदर्शक की गाथा है,
यह तो विधि का विधान है, जो आता, वह जाता है।
पर आप ऐसे अद्भुत काम कर गए,
अपने साथ सबका नाम कर गए।
जब से आप आसमान के तारे बन गए,
तारे हमारे और भी प्यारे बन गए।

सोचा न था कि ऐसी सांझ भी आएगी,
जब आप ना होंगे, सिर्फ यादें रह जाएंगी।
आपका यह काफिला निशब्द थम सा जाएगा,
हर दिल को तोड़ आंखें नम कर जाएगा।
चारों दिशाएं बस एक ओर ले जाएंगी,
जनसैलाब बन भावनाएं उमड़ आएंगी।
दिल रा◌े रहा और उदास है मन,
आपके भव्य जीवन को मेरा शत शत नमन।
जब से आप आसमान के तारे बन गए,
तारे हमारे और भी प्यारे बन गए।

खेराजे अकीदत नेताजी

-कबीर आलम

वो दर्द मिला कि गंगा और यमुना का किनारा रोता है
नेताजी तुम्हारे जाने से संसार ये सारा रोता है।

हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई थे सबके मसीहा नेताजी
कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत ये हमारा रोता है।

दुखियों, अबलाओं, लाचारों के साथ खड़े थे मुलायम सिंह
लखनऊ इटावा से दिल्ली तक नज़रों का नज़ारा रोता है।

जिस माली ने मेरे गुलशन की खुश्बू से जहां को महकाया
वो खुद गुलशन को छोड़ चला गुलशन बेचारा रोता है।

अखिलेश जी नेताजी की आंख और नाक, कान सब आप ही हो
तुम तो हो सहारा जन जन के क्या कोई सहारा रोता है।

पैंतालीस साल से मैंने भी नेता को पढ़ा नेता को लिखा
सच्चाई कबीर 'आलम' है यही अशआर हमारा रोता है।

आरक्षण विरोधी भाजपा

बुलेटिन ब्यूरो

सामाजिक न्याय की राह में हमेशा से बाधा रही भाजपा ने पिछड़ों को फिर धोखा दिया है। इस बार उसके निशाने पर नगर निकाय चुनाव में पिछड़ों का आरक्षण रहा। पहले तो सुप्रीम कोर्ट की अवहेलना कर अपने मन मुताबिक चुनाव कराने का कुचक्र रचा। मामला हाईकोर्ट पहुंचा तो भाजपा सरकार ने आरक्षण के मामले में अदालत में इतनी लचर पैरवी की कि अदालत ने नगर निकायों में पिछड़ों का आरक्षण ही खत्म कर दिया। इसके खिलाफ समाजवादी पार्टी ने मजबूती से आवाज उठाई और आंदोलन की चेतावनी के साथ मामला सुप्रीम कोर्ट में ले गई तब जाकर सरकार दबाव में अपना रवैया बदलने पर मजबूर हुई।

निकाय चुनाव में पिछड़ों को आरक्षण से वंचित किए जाने की भाजपा सरकार की नीयत में खोट सबूत के साथ सामने आया। हाईकोर्ट में जिस तरह भाजपा सरकार ने पैरवी की उसी ने उसकी पोल खोल दी। पूरा मामला सामने आने पर पता चल गया कि सरकार गुपचुप तरीके से पिछड़ों का आरक्षण खत्म करना चाहती है इसीलिए कोर्ट के सामने ऐसी दलीलें पेश की। जैसे पहले सरकार की तरफ से इस आरक्षण के बारे में कहा गया कि निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण दरअसल एक प्रकार का राजनीतिक आरक्षण है।

यह दलील ही सरकार की नीयत का पर्दाफाश करने वाली है। हाईकोर्ट में सरकार के पास इस बात का कोई जवाब भी नहीं था कि जब सुप्रीम कोर्ट ने 2021 में ओबीसी आरक्षण को लेकर नई गाइडलाइन जारी की थी तो उसका पालन क्यों नहीं किया गया?

समाजवादी पार्टी ने सरकार की नीयत को जानकर तेवर दिखाए तो भाजपा सरकार कुतर्क गढ़ने लगी। उसे लग गया कि अगर बिना आरक्षण के चुनाव कराया गया तो समाजवादी पार्टी कड़ा विरोध दर्ज करेगी।

यूपी में 52 फीसदी ओबीसी हैं और वह जान चुके हैं कि भाजपा उसे लुभाने की कोशिश में खुद को उसका हितैषी बताती है मगर मौका आने पर वह उसका हक छीन सकती है। यह समझ यूं हीं नहीं आई। तमाम जानकारियां उसके सामने आ चुकी हैं। जैसे वह जान चुकी है कि यह सब जानबूझकर किया गया क्योंकि उत्तराखंड सरकार ने ओबीसी आरक्षण को लेकर पहले ही एक पत्र लिखकर यह कहा था कि इस मसले पर उसे यूपी सरकार की मदद लेनी पड़ सकती है। नीयत साफ होती तो उसी वक्त वह अलर्ट हो जाती। यूपी का ओबीसी यह भी जान चुका है कि अगर भाजपा सरकार की नीति-नीयत आरक्षण के पक्ष में होती तो वह सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करने के लिए ओबीसी आयोग का गठन वक्त से पहले कर चुकी होती।

आरक्षण के मसले पर भाजपा की पोल परत-दर-परत खुलती जा रही है। अब यूपी का हर वर्ग खासतौर पर ओबीसी यह समझ चुका है कि भाजपा से उसका भला नहीं हो सकता। उसकी समझ में यह भी आ चुका है कि अगर समाजवादी पार्टी न होती तो निकाय चुनाव में ही आरक्षण का उसका हक छिन चुका होता। यह भी स्पष्ट हो गया है कि भाजपा को जब भी मौका मिलेगा वह आरक्षण पर वार जरूर करेगी।

पिछड़ों के आरक्षण को खत्म करने का नगर निकाय चुनाव उत्तर प्रदेश में कोई पहला मामला नहीं है इससे पहले भी सरकारी नौकरियों की भर्तियों समेत तमाम ऐसे मामले आए हैं, जब भाजपा ने पिछड़े वर्ग को मिलने वाला आरक्षण या तो खत्म कर दिया या तो उसे इतना कमजोर कर दिया कि उसका कोई मतलब ही नहीं रह गया। भाजपा सरकार प्रदेश और देश की तमाम लोकतांत्रिक संस्थाओं को एक-एक करके निष्प्रभावी बनाकर अपने कब्जे में ले रही है। उत्तर प्रदेश में जब से भाजपा सरकार आई है उसने पिछड़े वर्ग को दिए जा रहे हैं आरक्षण को खत्म करने के लिए तमाम तरह के हथकंडे अपनाए हैं। पहले पुलिस भर्ती में

आरक्षण बचाने को साझा लड़ाई लड़ें दलित-पिछड़े

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने निकाय चुनाव में आरक्षण के मामले पर कहा है कि भाजपा सरकार की योजना थी कि समाज में पिछड़ों के प्रतिनिधित्व को समाप्त कर दिया जाए। दरअसल भाजपा, बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा दिए गए सामाजिक न्याय के ढांचे को पूरी तरह से ध्वस्त करना चाहती है। भाजपा ने इससे पहले 17 अति पिछड़ी जातियों से भी झूठ बोला है।

उन्होंने कहा कि अंत्योदय का जुमला देने वालों ने जिस तरह छल से समाज के पिछड़ों का हक, सम्मान और अधिकार छीनने का काम किया है, वह लोकतंत्र के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। सपा अध्यक्ष ने आरक्षण बचाने की लड़ाई में पिछड़ों व दलितों से समाजवादी पार्टी के साथ आने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि भाजपा शुरू से ही सामाजिक न्याय और आरक्षण विरोधी है और अब पिछड़ों के आरक्षण पर घडियाली आंसू बहा रही है। भाजपा सरकार में हर स्तर पर पिछड़ों के आरक्षण का हक छीना जा रहा है। उन्होंने आशंका व्यक्त की है कि भाजपा का रवैया, नीति और नीयत बता रही है कि आने वाले समय में वह बाबा साहब द्वारा दिए गए दलितों के आरक्षण को भी छीन लेगी।

श्री यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने न केवल पिछड़ों को धोखा दिया है बल्कि बाबा साहब डॉ.भीमराव अम्बेडकर के दिए संविधान को भी खत्म करने की साजिश की है। उन्होंने निकाय चुनावों में ओबीसी का आरक्षण खत्म करने में भाजपा सरकार की भूमिका को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि न्यायालय में जानबूझकर सही तथ्य प्रस्तुत नहीं किए गए ताकि उत्तर प्रदेश की 60 प्रतिशत आबादी को आरक्षण से वंचित किया जा सके।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार की पिछड़ा विरोधी नीयत साफ हो गई है। भाजपा का चाल, चरित्र, चेहरा सारी दुनिया के सामने उजागर हो गया है। श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने डॉ. राममनोहर लोहिया और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के विचारों को आत्मसात करके सदैव सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ी है। जातिगत जनगणना और सामाजिक न्याय की मांग की है। समाजवादी पार्टी की इस न्याय की लड़ाई से भाजपा डरी है।

फोटो स्रोत : गूगल

आरक्षण की गलत व्याख्या करके हजारों की संख्या में नौजवानों को नौकरी से वंचित कर दिया।

69 हजार शिक्षक भर्ती में बड़े पैमाने पर आरक्षण का घोटाला करके पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों को नौकरी से बाहर कर दिया। आरक्षण की इस घोटाले को भाजपा की सरकार ने खुद स्वीकार किया लेकिन उसके बाद भी पिछड़ों के साथ न्याय नहीं हुआ। नौकरियां नहीं दी गई। अभ्यर्थी अभी भी लड़ाई लड़ रहे हैं।

एक तरफ केंद्र की भाजपा सरकार तमाम सरकारी संस्थाओं को निजी हाथों में सौंप कर आरक्षण को खत्म कर रही है तो वहीं उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार लगातार नौकरियों में आरक्षण की अनदेखी कर रही है। आरक्षण की गलत व्याख्या कर रही है। प्रदेश के तमाम विश्वविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर और अन्य पदों पर मनमाने तरीके से भारतीय करके पिछड़ों के हक का गला घोंटा जा रहा है। भाजपा का यह खेल सुनियोजित तरीके से हर संवैधानिक और सरकारी संस्थानों में चल रहा है। भाजपा अपनी साजिश और षड़यंत्र से पिछड़ों के आरक्षण पर डाका तो डाल ही रही है अब उसकी नजर दलितों के आरक्षण को भी खत्म करने की है।

अगर देखा जाए तो सामाजिक न्याय, आरक्षण और पिछड़ों को लेकर भाजपा की नीयत हमेशा से संदिग्ध रही है। मंडल कमीशन के दौर में भी भाजपा ने आरक्षण विरोधी खेमे के विरोध को खूब हवा दी। भाजपा का मातृसंगठन हमेशा पिछड़ों के आरक्षण के विरोध को शह देता रहा है। पिछड़ों की जनसंख्या की वास्तविक जानकारी के लिए जातीय जनगणना की मांग लंबे समय से चल रही है।

भाजपा और उसकी सरकारें जातीय जनगणना के खिलाफ रहती हैं। वे पिछड़ों की वास्तविक जनसंख्या सामने नहीं आने देना चाहती है। समाजवादी पार्टी ने हमेशा पिछड़ों की लड़ाई लड़ी। मण्डल आयोग की सिफारिशों से लेकर अब तक सपा हर स्तर पर पिछड़ों को हक दिलाने के लिए संघर्ष कर रही जबकि भाजपा हमेशा चालाकी से पर्दे के पीछे से खेल खेलती है। निकाय चुनाव को लेकर उसका खेल उजागर हो गया।

निकाय चुनाव में आरक्षण खत्म करने की कोशिश में जुटी भाजपा की साजिश पर समाजवादी पार्टी ने तेवर दिखाए तो भाजपा को लगा कि उसकी पोल खुल गई है। तब उसने पिछड़ों के आरक्षण के पर घड़ियाली आंसू बहाना शुरू कर दिया।

भाजपा सरकार के इस कदम से पिछड़ों के साथ धोखा तो हुआ ही, यह अंदेशा भी जाहिर हो गया कि वह बाबा साहब डॉ.भीमराव अम्बेडकर के दिए संविधान को भी खत्म करने की साजिश कर रही है।

ओबीसी आरक्षण को लेकर कई सवाल मजबूती के साथ उठे। यह राज़ फाश हो गया कि भाजपा सरकार की तरफ से न्यायालय के समक्ष जानबूझकर तथ्य प्रस्तुत नहीं किए गए और उत्तर प्रदेश की 60 प्रतिशत आबादी को आरक्षण से वंचित कर दिया गया। भाजपा ने यह मनमानी प्रक्रिया अपने फायदे के लिए ही की थी। भाजपा सरकार की पिछड़ा विरोधी नीयत इस तरह भी सामने आई है कि जब वह खुद कुछ नहीं कर पाती तो जनहित याचिका का सहारा लेती है।

भाजपा का चाल, चरित्र और चेहरा सारी दुनिया के सामने उजागर हो गया है और यह भी साफ हो गया कि भाजपा के जो नेता खुद को पिछड़ा वर्ग हितैषी बताते थे, वे भाजपा में बंधुआ मजदूर ही हैं। पिछड़ों के हक की लड़ाई के मुद्दे पर उनकी आत्मा मर जाती है।

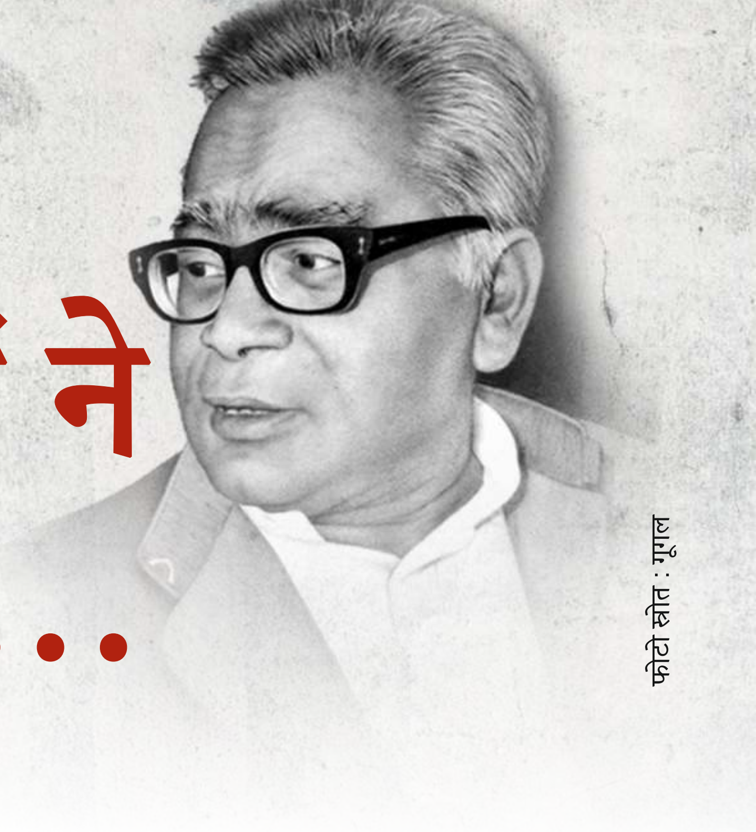

फोटो स्रोत : गूगल

सोशलिस्टों ने बांधी गांठ...

प्रो चित्तरंजन मिश्र

डॉक्टर राममनोहर लोहिया भारत में संवैधानिक मूल्यों पर आधारित सच्चा लोकतंत्र क़ायम करना चाहते थे इसीलिए उन्होंने जीवंत और जाग्रत आह्वान किया था "सोशलिस्टों ने बांधी गांठ, पिछड़े पावें सौ में साठ" । उनके इसी आह्वान को समाजवादी पार्टी समाज के सभी तबकों में स्थापित करना चाहती है।

शुरू से ही सवर्ण मानसिकता के सांप्रदायिक और फासीवादी दलों ने सवर्ण वर्चस्व की राजनीति की। भारतीय समाज की गैर बराबरी वाली बनावट के कारण वे अपने मंसूबों में कामयाब भी रहे। आज हालत यह है कि उत्तर प्रदेश और केंद्र में यही ताकतें सरकार चला रही हैं, जो शुरू से ही दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और स्त्रियों का शोषण करते रहे हैं, उन्हें मुख्यधारा कि राजनीति में न आने देने कि लिए तरह-तरह की साज़िशें और हथकंडे अपनाते रहे हैं। ये उसी राजनीति की उपज हैं जिसमें विशेष अवसर के सिद्धांत को जिसके आधार पर संविधान में आरक्षण की व्यवस्था है, निष्प्रभावी बनाने के लिए धार्मिक प्रतीकों का सहारा लेते हैं।

हाल ही में इन सांप्रदायिक फासिस्ट शक्तियों की नीयत और चेहरा उत्तर प्रदेश के निकाय चुनावों में साफ़ हो गया है। पिछड़ों के, अल्पसंख्यकों के, दलितों के हकों को छीनने की नीयत से सरकार ने निकाय चुनाव में आरक्षण की मनमानी और संविधान विरोधी व्यवस्था करके, एक बार फिर यह साफ़ कर दिया कि ये जब भी सत्ता में रहेंगे तो अलोकतांत्रिक व असंवैधानिक आचरण करते हुए हज़ारों वर्षों से भारतीय समाज में उपेक्षा के शिकार बनाये गए दलितों और पिछड़ों के हक़ों पर डाका डालते रहेंगे और कोई इसके खिलाफ आवाज़ उठाएगा तो उसकी आवाज़ को दबाने के लिए उसको उत्पीड़ित करेंगे। सत्ता की ताक़त का बेजा इस्तेमाल करते हुए उसकी छवि और उसकी संपत्ति को बर्बाद करेंगे, गुंडागर्दी की हद तक

जाकर।

निकाय चुनाव में पिछड़ों के आरक्षण को समाप्त करने की साज़िश, इसके लिए अधिकारियों और सरकारी वकीलों की बुद्धि-विवेक का नाजायज़ तरीके से, भौंडे ढंग से दुरुपयोग करते हुए इस निर्णय तक पहुंचा देना कि पिछड़ों के आरक्षण के बिना ही निकाय चुनाव करवा दिए जाएँ, पूरी संवैधानिक व्यवस्था और लोकतंत्र का गला घोंटने की तरह है पर इस निर्लज्ज सरकार ने यह किया। ये तानाशाही स्वभाव के अराजक लोग ऊपर-ऊपर तो चिकनी-चुपड़ी बातें करते हैं पर जब भी मौका आता है, इनकी पूरी स्वयंसेवकों कि फ़ौज पिछड़ों और अल्पसंख्यकों तथा स्त्रियों कि अधिकारों कि खिलाफ पैरवी करने लगती है और वातावरण भी बनाने लगती है।

आज यदि इस बात का पता किया जाए, वैसे ज्यादातर लोग तो यह जानते ही हैं, कि जब विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार ने मुलायम सिंह यादव, शरद यादव, लालू प्रसाद यादव, जॉर्ज फर्नांडीज़, जनेश्वर मिश्र, चौधरी देवीलाल, नितीश कुमार आदि नेताओं के दबाव में मंडल कमीशन की सिफारिशों के आधार पर पिछड़ी जातियों के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की घोषणा की थी तो उसके विरोध में सरकारी सम्पत्तियों को जलाने, नष्ट करने और यहाँ तक की आत्मदाह के लिए उकसाने और कोशिश करने वाले ज्यादातर नौजवान (सवर्ण लिबरेशन फ्रंट बनाकर) संघ से जुड़े हुए थे और बाद में भी वे संघ और भाजपा के बड़े-बड़े पदों पर आसीन हुए।

दरअसल भारतीय समाज में जाति और वर्ण पर आधारित व्यवस्था वर्गों में भी बँटी रही है। इतनी जटिल संरचना वाले समाज में, आरक्षण को लागू किए बिना सच्चे लोकतंत्र की स्थापना संभव ही नहीं है पर ये सवर्ण मानसिकता के कट्टर समर्थक लोग न तो संविधान में विश्वास करते हैं न और ही समानता में। भाजपा की सारी राजनीति समाज में नफरत फैलाने , पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों और स्त्रियों को हर स्तर पर अपमानित करने और उन्हें अधिकार से वंचित करने की ही रही है | इनकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के शीर्ष पदों पर कोई दलित या पिछड़ा या अल्पसंख्यक या स्त्री को महत्व मिलता ही नहीं है | इनकी कथनी और करनी में जमीन आसमान का फर्क हमेशा से रहा है।

भारतीय समाज में जाति और वर्ण पर आधारित व्यवस्था वर्गों में भी बँटी रही है। इतनी जटिल संरचना वाले समाज में, आरक्षण को लागू किए बिना सच्चे लोकतंत्र की स्थापना संभव ही नहीं है पर ये सवर्ण मानसिकता के कट्टर समर्थक लोग न तो संविधान में विश्वास करते हैं न और ही समानता में

जनेश्वर मिश्र जी कहा करते थे कि लोकराज, लोकलाज से चलता है। भाजपा की सरकारें लोकलाज विहीन सरकारें हैं जिनका विश्वास अहिंसा और शांति में नहीं है, सामाजिक बदलाव में नहीं है इसलिए ये दो मुँही राजनीति करते हैं।

ये जिस राष्ट्रवाद की बात करते हैं, वह छलिया राष्ट्रवाद है। छलिया राष्ट्रवाद में नागरिकों की चिंता नहीं है सिर्फ पूंजी निवेश के नाम पर देश की संपत्ति को गिने चुने उन पूंजीपतियों के हाथों बेचने की नीति है जिनका देश के विकास में कोई योगदान नहीं है। इनके छलिया राष्ट्रवाद में नफ़रत, हिंसा है, वर्ग द्वेष की भावना है, पिछड़ी जातियों, समुदायों के अधिकारों में साजिशन सेंध लगाने की भावना है और पिछड़े तथा अल्पसंख्यक नेताओं के दमन , उत्पीड़न और चरित्र हनन की सर्वविदित कोशिशें हैं।

इसी द्वेषपूर्ण भावना से चल रही इस सरकार की कमजोर पैरवी के कारण माननीय उच्च न्यायालय ने निकाय चुनाव में पिछड़ों के आरक्षण को ख़त्म कर दिया था।

यदि धर्मनिरपेक्ष समाजवादी ताकतों ने, समाजवादी पार्टी ने इस मामले में सरकार पर खुला हमला न बोला होता तो शायद यह योगी सरकार उच्चतम न्यायालय में इस प्रकरण को चुनौती न देती। अभी भी यदि हमारी आवाज का भय न हो तो यह छलिया राष्ट्रवादी सवर्ण मानसिकता की, पिछड़ों की विरोधी सरकार अपनी पैरवी कमजोर कर सकती है। यह धीरे-धीरे आरक्षण को समाप्त करने की गंभीर साजिश भी हो सकती है।

(लेखक गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष हैं)

तेलंगाना में अखिलेश ने भाजपा के खिलाफ हुंकार भरी

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी का कारवां उत्तर प्रदेश से निकलकर सुदूर दक्षिण भारत के राज्यों तक पहुंचने लगा है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की राष्ट्रीय राजनीति में बढ़ती लोकप्रियता विपक्ष को मजबूती दे रही है। गरीबों, किसानों, मजलूमों, अल्पसंख्यकों की आवाज बन चुके श्री अखिलेश यादव को तेलंगाना में मुख्यमंत्री केसीआर द्वारा 18 जनवरी 2023 को आयोजित भारत राष्ट्र समिति की विशाल जन रैली में आमंत्रित कर देशभर के समाजवादियों को मजबूती दी गई।

तेलांगना में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का भव्य स्वागत किया। यहां रैली में श्री अखिलेश

d Kejriwal garu
hief Minister, Delhi

आब की बार किसान सरकार

यादव ने भाजपा सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी भ्रमजाल पार्टी है। वह भ्रम और नफरत फैलाती है। लोकतंत्र में विपक्षी नेताओं और सरकारों को जो मदद और सम्मान मिलना चाहिए वह नहीं मिल रहा है। किसान, नौजवान सब परेशान हैं। उन्हें सपने दिखाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब भाजपा सरकार बचने वाली नहीं है। देश में जल्दी ही नई सरकार बनेगी।

तेलंगाना के दो दिवसीय दौरे पर 17 जनवरी को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैदराबाद पहुंचे। यहां उनका भव्य स्वागत किया गया। तेलंगाना के मुख्यमंत्री श्री केसीआर ने मुख्यमंत्री आवास पर श्री अखिलेश यादव को अंगवस्त्र पहनाकर तथा पुष्पगुच्छ देकर गर्मजोशी से स्वागत किया।

दूसरे दिन 18 जनवरी को खम्माम शहर में केसीआर द्वारा आयोजित विशाल जनरैली को सम्बोधित करते हुए

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने देश को विकास में पीछे किया है। हम सब मिलकर देश को आगे ले जाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम से देश को नया संदेश मिलेगा। तेलंगाना से भाजपा का सफाया होने वाला है। उत्तर प्रदेश से भी भाजपा का सफाया होगा।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार विपक्ष के प्रति साजिशें रचती रहती है कि कैसे उन्हें दबाया जाए और विपक्षी नेताओं की छवि को धूमिल किया जाए। ऐसा भाजपा की सोची समझी रणनीति के तहत ही होता है। तमाम संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब संवैधानिक संस्थाएं कमजोर हो जाएंगी तो फिर न्याय कहां से मिलेगा?

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा बुनियादी मुद्दों बेरोजगारी, महंगाई से मुंह चुराती है। किसानों की आमदनी सन् 2022 तक दोगुनी करने का वादा था, वह वादा पूरा होने वाला नहीं है। उत्तर प्रदेश में निवेश के नाम पर धोखा हो रहा है। नौजवानों का भविष्य चौपट है। उन्होंने सवाल किया कि महंगाई पर भाजपा क्यों मौन है?

इसके पूर्व समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने खम्माम शहर में सुप्रसिद्ध श्री यदाद्री नरसिम्हा स्वामी मंदिर में पूजा अर्चना की। वहां पुजारी ने उन्हें तिलक लगाकर आशीर्वाद दिया। सपा प्रमुख ने वहां नेत्र चिकित्सा के मरीजों को चश्मा भी वितरित किया।

समाज के हर तबके को सपा से आस

बुलेटिन ब्यूरो

भाजपा राज में समाज का हर वर्ग इस तरह परेशान है कि अब उसे समाजवादी सरकार से ही उम्मीदें हैं। भाजपा सरकार से परेशान-नाराज समाज का तबका समाजवादी पार्टी की ओर आस भरी निगाहों से पीड़ा लेकर समाजवादी पार्टी के मुख्यालय पहुंच रहा है। वहां राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से मिलकर शिकायतें बयां कर रहा है और खुलकर कह रहा है कि समाजवादी सरकार में ही सबका भला होगा।

समाज का हर तबका किस तरह परेशान है इसकी ताजा बानगी समाजवादी पार्टी के मुख्यालय पर होने वाला जुटान है। जनवरी महीने के दूसरे हफ्ते में युवाओं, नौकरी पेशा

लोगों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से पीड़ा बताने के लिए सपा मुख्यालय का रुख किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आत्मीयता से उनकी बातें सुनीं और साथ देने का भरोसा दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पीड़ितों, शोषितों से कहा कि वह परेशान न हों, समाजवादी सरकार आते ही उनकी मुश्किलें दूर हो जाएंगी।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय समाजवादी छात्र सभा इकाई के छात्रों ने 12 जनवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से मुलाकात कर 400 प्रतिशत फीस वृद्धि के खिलाफ ज्ञापन सौंपा।

छात्रों की पीड़ा सुनने के बाद श्री अखिलेश यादव ने कहा कि विश्वविद्यालयों में भाजपा सरकार शिक्षा का निजीकरण कर रही है। छात्रसंघ चुनावों को बंद कर दिया गया है। गरीबों के बेटे-बेटियां शिक्षा प्राप्त न कर सकें, उसी के तहत ये साजिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी छात्रों के साथ है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पूर्व में भी फीस वृद्धि के खिलाफ सदन से वॉकआउट भी कर चुके हैं। आगे भी सरकार के दमन के खिलाफ सदन में प्रमुखता से आवाज उठाई जाएगी।

समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं के प्रतिनिधिमंडल में इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष श्री रामबृक्ष यादव पूर्व एमएलसी, समाजवादी छात्र सभा की निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा यादव, लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव राघवेंद्र यादव, युवजन सभा के राष्ट्रीय महासचिव उदय प्रताप, प्रदेश सचिव अविनाश विद्यार्थी, छात्र सभा जिलाध्यक्ष अखिलेश गुप्ता आदि शामिल रहे।

12 जनवरी को ही राजकीय मेडिकल कॉलेजों के अधीन चिकित्सालयों में आउटसोर्सिंग के तहत नियुक्त नर्स और कर्मचारियों के प्रतिनिधि मण्डल ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से मुलाकात कर सेवा सम्बंधी अनियमितताओं तथा एजेंसियों और अस्पताल प्रशासन द्वारा किए जा रहे शोषण की शिकायत की। श्री यादव ने उनकी मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार कर साथ देने का आश्वासन दिया।

प्रतिनिधि मण्डल में सर्वश्री डॉ राम प्रकाश सिंह अंकित सेन यादव, हाशमी, कविता शुक्ला, रमन बत्रा, सुशीला, विकास सिंह, अनिल यादव, पी.डेनियल, अंजली श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

इससे पहले 7 जनवरी को उत्तर प्रदेश पुलिस के लिए कुशल खिलाड़ी भर्ती 2022 के आधा दर्जन आवेदनकर्ताओं ने समाजवादी

अयोध्या के व्यापारियों ने सपा अध्यक्ष को अपना दर्द बताया

बुलेटिन ब्यूरो

अयोध्या में सरकारी तंत्र के जुल्म के शिकार हुए स्थानीय निवासियों व व्यापारियों ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से मुलाकात कर अपना दर्द बयां किया। उन्होंने बताया कि किस तरह बुलडोजर चलाकर उनके पुश्तैनी मकान, कारोबार को नेस्तनाबूद कर दिया गया। सपा अध्यक्ष ने व्यापारियों की पीड़ा सुनने के बाद भरोसा दिलाया कि समाजवादी पार्टी उनके साथ है।

व्यापारियों ने सपा अध्यक्ष को बताया कि भाजपा सरकार चाहती है कि अयोध्या के व्यापारी यहां से भाग जाएं और चंदा देने वाले गुजरात के व्यापारियों को यहां होटल, रिसार्ट, और मठ बनाकर स्थापित करवा दिया जाए। पूरी अयोध्या भाजपा सरकार की तानाशाही में परेशान है। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि सरकार के प्रशासनिक अधिकारी व्यापारियों से गुण्डों जैसा व्यवहार कर रहे हैं। अयोध्या के व्यापारियों ने कहा कि अयोध्या में सरकार की तानाशाही है। इतनी गुण्डई कभी नहीं देखी गई। रात में ताले तोड़कर बुलडोजर चलाया जा रहा है। पूर्व विधायक तेज नारायण पाण्डेय उर्फ पवन पाण्डेय के नेतृत्व में 29 दिसंबर 2022 को सपा अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से मुलाकात करने पहुंचे इन व्यापारियों, स्थानीय लोगों ने अनुरोध किया कि उनकी बात सरकार तक पहुंचाकर न्याय दिलाया जाए।

व्यापारियों की पीड़ा सुनने के बाद सपा अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या के व्यापारी डर और भय के माहौल में रह रहे हैं। अयोध्या के व्यापारियों के पूर्वजों ने जो घर बनाया, कारोबार बनाया था, भाजपा सरकार ने बर्बाद कर दिया। उन्होंने सरकार से मांग की कि व्यापारियों के नुकसान का ज्यादा से ज्यादा मुआवजा दिया जाए। साथ ही व्यापारी जहां चाहे वहां उन्हें भूमि उपलब्ध कराई जाए।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

आवेदनकर्ताओं ने कुशल खिलाड़ी भर्ती में धांधली का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें भर्ती में शामिल होने के लिए प्रवेश पत्र नहीं दिया गया। भर्ती बोर्ड के अधिकारी उनके प्रमाण पत्र को फर्जी बताकर प्रवेश पत्र नहीं दे रहे हैं जबकि वे राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं। खिलाड़ी आवेदन कर्ताओं ने अपने साथ भेदभाव होने का आरोप लगाते हुए श्री अखिलेश यादव से निष्पक्ष भर्ती के लिए मदद मांगी।

मुलाकात करने वाले आवेदनकर्ताओं में सर्वश्री नितिन अग्रवाल, सचिन कुमार, विपिन गुप्ता, हिमांशु अग्रवाल, संतोष यादव, आकाश शर्मा आदि शामिल थे।

समाजवादियों ने थामा पीड़ितों का हाथ

बुलेटिन ब्यूरो

सामाजिक सरोकारों से गहरे जुड़े समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने प्रदेश के कई जिलों में किसी न किसी रूप में पीड़ित-शोषित लोगों तक मदद पहुंचाने व उनकी पीड़ा में बराबर शरीक रहने के लिए समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल को मदद के साथ पीड़ितों के घरों तक भेजा। समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ितों व परेशान हाल परिवारों का हालचाल जाना और राष्ट्रीय अध्यक्ष की ओर से आर्थिक सहायता उन्हें सौंपी।

रायबरेली जनपद में एक दलित मजदूर की प्राथमिक विद्यालय में पिटाई का मामला संज्ञान में आने पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 7 जनवरी को एक प्रतिनिधिमंडल को पीड़ित रोहित पासी की मदद करने के लिए भेजा। समाजवादी पार्टी के विधायक और पूर्व मंत्री मनोज पांडेय के साथ तीन विधायक, एक पूर्व मंत्री, रायबरेली जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र यादव ने रोहित व उसके परिजनों से मुलाकात की। रोहित ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि वह प्राथमिक विद्यालय पर अपनी मजदूरी मांगने गया था जहां प्रधानाध्यपक ने उसकी पिटाई की और उल्टे एफआईआर

हादसे से प्रभावित परिवारों को आर्थिक मदद

बुलेटिन ब्यूरो

रायबरेली में सड़क हादसे का शिकार हुए सात लोगों के परिवार के साथ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव मजबूती के साथ खड़े हुए। उन्होंने हादसा होते ही पहले समाजवादी पार्टी के जिला प्रतिनिधिमंडल को परिवार से मुलाकात के लिए भेजा और फिर खुद वहां पहुंचे। उन्होंने परिवार को ढांढस बंधाया और पार्टी की ओर से एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि दुख की घड़ी में समाजवादी पार्टी परिवार के साथ है।

11 जनवरी को घने कोहरे की वजह से रायबरेली के लालगंज-बछरावां मार्ग पर खगिया खेड़ा गांव के पास तेज रफ्तार ट्रक ने चाय की गुमटी को रौंद दिया था जिसमें ललई, लल्लू, रविन्द्र, संतोष, वृंदावन व शिवमोहन की मौके पर ही मौत हो गई थी जबकि घायल दीपेंद्र ने अस्पताल में दम तोड़ दिया था। हादसा इतना बड़ा था कि राहत बचाव में चार घंटे लगे थे। हादसे के शिकार हुए सभी गरीब परिवार से थे।

हादसे की खबर जैसे ही राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव को लगी, उन्होंने घटना पर दुःख जताते हुए संवेदना व्यक्त की और रायबरेली के समाजवादी पार्टी के नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल गांव भेजा। समाजवादी पार्टी रायबरेली के निवर्तमान जिलाध्यक्ष इं वीरेंद्र यादव ने पार्टी नेताओं के साथ गांव पहुंचकर दुःखी परिजनों से मुलाकात कर संवेदना जताई।

परिवार के हालात जानकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव और भी दु:खी हुए और 14 जनवरी को स्वयं खेड़ा गांव पहुंच गए। जिस वक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष खेड़ा गांव पहुंचे, उसी समय दीपेंद्र लोधी का शव वहां पहुंचा। गांव में करुण क्रदंन के बीच राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दीपेंद्र के शव पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

दु:खी परिवारों के साथ मजबूती से खड़े हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने पार्टी फंड से पीडित व दुखी परिवारों को एक-एक लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बेसहारा परिवार भूमिहीन हैं और अत्यंत गरीब तबके के हैं। सरकार को इनकी मदद करनी चाहिए।

14 जनवरी को ही समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव रायबरेली में विधानसभा में समाजवादी विधान मंडल दल के मुख्य सचेतक व ऊंचाहार विधायक डा मनोज कुमार पाण्डेय की माताजी की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धांजलि अर्पित करने भी पहुंचे। लखनऊ से बछरावां होते हुए रायबरेली जाते समय समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं, नेताओं और आम लोगों ने जगह-जगह श्री अखिलेश यादव का गर्मजोशी से भव्य स्वागत किया। श्री यादव ने रास्ते भर स्वागत करने वाले गांव के हजारों लोगों का अभिवादन किया।

भी करा दी। परिवार को भी थाना लाकर पीटा गया। प्रतिनिधिमंडल ने परिवार को भरोसा दिलाया कि पार्टी उनके साथ है। न्याय दिलाने के लिए समाजवादी पार्टी संघर्ष करेगी।

पुलिस हिरासत में मारे गए बलवंत सिंह के परिवार को आर्थिक सहायता पहुंचाने के लिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर 6 जनवरी को समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल कानपुर देहात के ग्राम सरैया लालपुर पहुंचा।

दरअसल 12 दिसंबर को पुलिस हिरासत में मारे गए बलवंत सिंह की पत्नी शालिनी ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव को पत्र लिखकर मदद की गुहार लगाई थी। चिट्ठी पाने के बाद श्री यादव खुद बलवंत के घर गए थे और वहां परिवार की हालत देखकर उन्होंने 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की थी।

वायदे के खरे सपा प्रमुख श्री अखिलेश यादव ने पांच रुपये की आर्थिक सहायता लेकर विधायक अमिताभ बाजपेयी, कानपुर देहात के जिलाध्यक्ष प्रमोद यादव, पूर्व विधायक आरती कुशवाहा, पूर्व सांसद राजाराम पाल को बलवंत के घर भेजा। प्रतिनिधिमंडल ने सपा प्रमुख की ओर से भेजी गई 5 लाख रुपये की धनराशि का चेक दिवंगत बलवंत की मां को सौंपा।

30 जनवरी को आक्सीजन सिलेंडर विस्फोट में चंदौली जनपद में दो लोगों की मौत से दु:खी समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने पार्टी नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल 15 जनवरी को चंदौली के मुगलसराय भेजा। सपा जिलाध्यक्ष सत्यनारायण राजभर, विधायक प्रभु नारायण सिंह यादव, पूर्व सांसद रामकिशुन, सपा महासचिव नफीस अहमद गुड्डू के साथ प्रतिनिधिमंडल ने हादसे के शिकार हुए दोनों परिवारों से मुलाकात की और सपा अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की ओर से मृतक राजन पाल की पत्नी श्रीमती नीलम पाल व मृतक चंद्रभान की पत्नी श्रीमती सीमा को एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी।

समाजवादी पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने 18 जनवरी को फैजाबाद जनपद की अयोध्या विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रसड़ा में ट्रेन से कटकर दो सगे भाइयों की मौत पर शोक व्यक्त करने व सांत्वना देने तथा सही जानकारी लेने के लिए परिवार से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व विधायक पवन पाण्डेय, निवर्तमान जिलाध्यक्ष गंगा सिंह यादव, जगन्नाथ पाल, विजय बहादुर वर्मा, मो शुएब खान, अशाेक पाल आदि शामिल थे।

हल्द्वानी के पीड़ितों का सपा ने बढ़ाया हौसला

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तराखंड के नैनीताल जिले की तहसील हल्द्वानी के वनभूलपुरा में 50 हजार लोगों को उजाड़े जाने की गूंज सुनाई देते ही समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव चिंतित हो गए। सपा अध्यक्ष ने हालात का जायजा लेने और पीडितों का दर्द साझा करने के लिए सपा सांसद एचटी हसन के नेतृत्व में 10 सदस्यीय एक प्रतिनिधिमंडल हल्द्वानी रवाना किया। प्रतिनिधिमंडल ने वहां पीड़ितों का हाल जानकर उनका हौसला बढ़ाया और फिर हालात से राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव को अवगत कराया। हल्द्वानी के पीड़ितों को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने के बाद यह भी स्पष्ट हो गया कि इस पूरे प्रकरण पर सपा के विरोध और हस्तक्षेप ने प्रभावी भूमिका निभाई।

प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपी रिपोर्ट में कहा है कि अतिक्रमण के नाम पर रेलवे ने जिस तरह उजाड़े जाने की कार्यवाही

की है, उससे 10 हजार छात्र-छात्राओं का भविष्य भी अधर में आ गया है। 50 हजार लोग ठिठुरन में बिना छत के आसमान के नीचे आने के खौफ की आशंका में जी रहे हैं। समाजवादी पार्टी ने पीड़ितों को भरोसा दिलाया है कि पार्टी उनके साथ है।

4 जनवरी को समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल सांसद एसटी हसन की अगुआई में बनभूलपुरा पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल में अताउर रहमान विधायक/पूर्व मंत्री, वीरपाल सिंह पूर्व सांसद, अब्दुल मतीन सिद्दीकी प्रभारी उत्तराखण्ड प्रदेश, शोएब अहमद सिद्दीकी प्रमुख महासचिव समाजवादी पार्टी, सुरेश परिहार प्रदेश उपाध्यक्ष उत्तराखण्ड प्रदेश, कुलदीप सिंह भुल्लर प्रदेश प्रभारी पंजाब, एस.के. राय प्रदेश कोषाध्यक्ष उत्तराखण्ड प्रदेश, अरशद खान पूर्व विधायक पूरनपुर, सुल्तान बेग पूर्व विधायक शामिल रहे।

प्रतिनिधिमंडल ने बस्ती के लोगों से मुलाकात की। उनकी पीड़ा सुनी और उजाड़े जाने को एक साजिश करार देते हुए सीधे तौर पर सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि परेशान हाल लोगों ने उन्हें बताया गया कि वे लोग तीन पीढ़ियों से यहां बसे हैं। उन्होंने बताया कि रेलवे अब इस जमीन पर अपना दावा बताकर उजाड़ना चाहता है जबकि 50 हजार आबादी पूरी तरह बस चुकी है। स्कूल हैं, मजहबी स्थल हैं, मकान हैं, कारोबार हैं। सब तनाव में वक्त गुजार रहे हैं। उनका कसूर सिर्फ इतना है कि उन्होंने इस सरकार को वोट नहीं दिया।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि सपा इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट गई है। सपा नेता हाजी मतीन सिद्दीकी व शुएब अहमद यह जंग लड़

रहे हैं। सपा अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव भी उनके साथ हैं। प्रतिनिधिमंडल ने आश्वासन दिया कि संसद में आवाज बुलंद करने व जरूरत पड़ने पर प्रधानमंत्री व रेलमंत्री से मुलाकात की जाएगी।

प्रतिनिधि मंडल द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपी गई रिपोर्ट में बताया गया है बनभूलपुरा की 29 एकड़ भूमि पर 2007 से रेलवे अपना मालिकाना हक बताकर यहां बसे लोगों को मानसिक व सामाजिक रूप से उत्पीड़ित कर रहा है। प्रशासन यहां के लोगों को बेदखल करने की तैयारी कर रहा है जिससे लोग तनाव में हैं। 10 हजार छात्र-छात्राएं भविष्य को लेकर चिंतित हैं। लोग खुले आसमान में आने के खौफ में जी रहे हैं। सरकार की तरफ से उन्हें कोई भरोसा नहीं मिला है।

प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष से गुजारिश की है कि इन पीडितों का कंधे से कंधा मिलाकर साथ दिया जाना चाहिए। इन बेसहारों का अब समाजवादी पार्टी ही सहारा बन सकती है क्योंकि भाजपा तो बिल्कुल ही संवेदनहीन है और उसी की साजिश से यह सबकुछ हो रहा है।

भाजपा राज और यूपी में निवेश

कागज पर छपी मोमबत्ती से उजाले का प्रयास

बुलेटिन ब्यूरो

यूपी की भाजपा सरकार फिर एक बार प्रदेश में इंवेस्टर्स मीट यानी औद्योगिक निवेश का सब्जबाग दिखाने में जुटी हुई है पर पिछले इंवेस्टर्स मीट का यथार्थ बताने में कतरा रही है।

सवाल उठ रहे हैं कि पिछली बार हुए मीट से सूबे को क्या फायदा हुआ, जमीन पर कितना निवेश हुआ और 6 साल के कार्यकाल में हुए पूंजी निवेश पर अब तक कोई श्वेत पत्र क्यों नहीं जारी हुआ। औद्योगिक क्षेत्र के लिए नीति स्पष्ट न करना भी भाजपा की नाकामी को बताने के लिए काफी है।

वित्तीयवर्ष 2021-22 की विकास दर में अन्य राज्यों के मुकाबले सबसे नीचे

यूपी का आना भी इस बात का सबूत है कि इंवेस्टर मीट में सिर्फ धन की बर्बादी हो रही है। जमीनी सतह पर इसका कोई फायदा नहीं मिल रहा है।

पिछले मीट का अनुभव यही कहता है कि इस बार भी नतीजा जीरो होना है। सवाल है कि पिछले निवेशक सम्मेलन का नतीजा क्या हुआ। पिछली बार भी भाजपा सरकार ने इसी तरह से जोर शोर के साथ इन्वेस्टर्स समिट किया था और लाखों करोड़ के एमओयू होने का दावा किया था लेकिन जमीन पर कोई निवेश दिखाई नहीं दिया था। जब देश से पूंजीनिवेश नहीं हुआ तो मंत्रियों, अधिकारियों को विदेशों की सैर कराई गई।

इंवेस्टर मीट का हाल यह है कि उद्योगपतियों को उत्तर प्रदेश में लाने के लिए मुख्यमंत्री को खुद मुम्बई जाना पड़ा क्योंकि उत्तर प्रदेश के हालात देखकर यहां कोई भी उद्योगपति और व्यापारी निवेश को तैयार नहीं हैं। असल में पूंजीनिवेश के मामले में भाजपा सरकार हवा में ही लाठियां भांजती नज़र आ रही है।

भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। सत्ता संरक्षित अपराधियों और दबंगों का आतंक है। व्यापारी और व्यवसायी लूटे और आतंकित किये जा रहे हैं। सरेआम हत्याएं हो रही हैं। पुलिस हिरासत में मौतों के मामले में भाजपा सरकार ने प्रदेश को नंबर एक पर पहुंचा दिया है। मुख्यमंत्री, अपनी सरकार में खराब कानून व्यवस्था को सुधारने के बजाय देश में घूम-घूमकर उत्तर प्रदेश और उसकी छवि को बदनाम कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में उत्तर प्रदेश में निवेश करने के लिए सौ बार सोचेगा।

उत्तर प्रदेश में जो विकास और पूंजी निवेश हुआ है वह समाजवादी सरकार में ही हुआ है। उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों में जो पूंजी निवेश हुए हैं वह समाजवादी पार्टी की सरकार की औद्योगिक नीतियों की देन है

सरकार अगर कानून का राज स्थापित करती और सबको सम्मान देती तो उसे पूंजीनिवेश के लिए देश-विदेश में भटकना न पड़ता। निवेशक खुद उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आते।

पूंजीनिवेश के लिए देश और दुनिया में अपने मंत्रिमंडल के साथ भटक रहे मुख्यमंत्री अपनी सरकार के 6वर्षों के कार्यकाल में औद्योगिक नीति को ही नहीं स्पष्ट कर पाए। उद्यमियों को यहां आने पर क्या-क्या सुविधाएं मिलेंगी इस पर जबानी जमा खर्च ही हो रहा है। पिछले दिनों उद्योग बंधु की बैठक में उद्यमियों ने शिकायत की कि हर बैठक में अधिकारी बदल जाते हैं, उनके बयान बदल जाते हैं और नए-नए बहाने बता दिए जाते हैं। व्यापारियों की समस्याओं के समाधान की दिशा में कुछ भी कार्यवाही नहीं होती है।

इंवेस्टर मीट के बार में कई बार मांग उठने के बाद भी भाजपा सरकार यह नहीं बता पाई कि उसकी सरकार में अब तक कितना पूंजी निवेश हुआ और कहां-कहां फैक्ट्रियां और कम्पनियां लगीं। कितने लोगों को नौकरी रोजगार मिला। समाजवादी पार्टी की मांग के बावजूद भाजपा सरकार अभी तक अपने कार्यकाल में हुए पूंजी निवेश पर श्वेतपत्र जारी नहीं कर पाई।

असल में उत्तर प्रदेश में जो विकास और पूंजी निवेश हुआ है वह समाजवादी सरकार में ही हुआ है। उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों में जो पूंजी निवेश हुए हैं वह समाजवादी पार्टी की सरकार की औद्योगिक नीतियों की देन है। लखनऊ में आईटी सिटी, अन्तर्राष्ट्रीय स्टेडियम, नोएडा में

सैमसंग की यूनिट, लखनऊ समेत अन्य जिलों में अमूल मिल्क प्लांट, यह सब समाजवादी सरकार के समय का निवेश है जो दिखाई दे रहा है। समाजवादी सरकार ने उत्तर प्रदेश में सड़कों और हाईवेज के निर्माण को प्रोत्साहित करके विकास की गति को आगे बढ़ाया। पूंजीनिवेश के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया था।

भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश को फिर से पीछे ढकेलने का काम किया है। आज आंकड़े साफ बता रहे हैं कि उत्तर प्रदेश देश के अन्य राज्यों से विकास के मामलें में पिछड़ता जा रहा है। भाजपा सरकार अपनी गिरती साख बचाने के लिए और बढ़ती मंहगाई, बेरोजगारी तथा किसानों की समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए ग्लोबल इंवेस्टर्स मीट के नाम पर छल कर रही है।

सच तो यह है कि बिना ठोस परिणाम के किसी भी बात का धुआंधार प्रचार, विज्ञापन और उसका इवेंट मैनेजमेंट भाजपा के बाएं हाथ का खेल है जिसमें वह माहिर है लेकिन अब जनता जागरूक हो गई है। दिखावटी निवेश से उत्तर प्रदेश का विकास नहीं होगा। कागज पर छपी मोमबत्ती दिखाने से उजाला नहीं होता है।

विकास की दौड़ में अन्य सभी राज्यों से उत्तर प्रदेश पिछड़ गया है। बाहर से पूंजीनिवेश नहीं आने से रोजगार का सृजन नहीं हो रहा है। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार फिर भी ऐसे सब्जबाग दिखा रही है कि जनता की आंखे चौंधिया रही हैं।

अच्छा होता मुंबई में रोड-शो करने से पहले भाजपा सरकार उत्तर प्रदेश में बंद हो रहे उद्योगों एवं कारोबार की दुर्दशा जानती। बड़े पूंजीपतियों को बढ़ावा देना तथा मध्यम एवं लघु उद्योग और छोटे व्यापारियों को खत्म करना भाजपा की घातक नीति है जिसके कारण लोगों का काम चौपट हुआ है और बेरोजगारी बेतहाशा बढ़ी है।

पूंजीनिवेश के नाम पर भाजपा अब तक जबानी जमा खर्च की कहानी ही दोहराती रही है। पिछले निवेशक सम्मेलनों का यथार्थ में कोई नतीजा नहीं निकला है। एमओयू के हस्ताक्षर होने के कई समारोह हुए पर एक भी एमओयू को जमीन पर उतरते नहीं देखा गया। अगर पूंजीनिवेश सम्बंधी मुख्यमंत्री जी के दावे सही हैं तो यह बताने में क्या हिचक है कि अब तक कितने उद्योग कहां लगे है और उनसे कितना रोजगार सृजन हुआ है? भाजपा सरकार रोजगार के अपने दावों को अगर झूठा नहीं सच मानती है तो उसे किस उद्योग में कितनों को रोजगार मिला इसका पूरा ब्यौरा प्रकाशित करना चाहिए।

फोटो स्रोत : गूगल

चौपाल लगाकर व्यापारी विरोधी भाजपा की पोल खोली

समाजवादी व्यापार सभा का कार्यक्रम

बुलेटिन ब्यूरो

जी एसटी और दूसरे बहानों से व्यापारी समाज के उत्पीड़न के खिलाफ समाजवादी पार्टी ने आवाज बुलंद की है। व्यापारियों के पक्ष में समाजवादी व्यापार सभा ने 2 जनवरी 2023 को प्रदेश भर में चौपाल लगाकर भाजपा के व्यापारी विरोधी चेहरे की पोल खोली। व्यापार सभा ने दो टूक कहा है कि व्यापारी समाज के खिलाफ सरकारी उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं होगा।

चौपालों में व्यापारियों ने भाजपा के व्यापारी विरोधी चेहरे को उजागर करते हुए संकल्प लिया कि निकाय चुनाव और लोक सभा चुनाव में भाजपा को सबक सिखाया जाएगा।

पोल खोल चौपालों के माध्यम से व्यापारियों को भाजपा की तानाशाही, उत्पीड़न और प्रताड़ना के खिलाफ एकजुट होकर जवाब देने की बात कही गई। चौपालों में मांग की गई कि व्यापारियों पर छापेमारी पूरी तरह से बंद हो, पेट्रोल डीजल को जीएसटी में लाया जाए, हर पंजीकृत व्यापारी को मेडिक्लेम की सुविधा दी जाए, ऑनलाइन व्यापार पर 20प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स लगाया जाए, व्यापारियों के पुलिस और विभागीय उत्पीड़न को बंद किया जाए। पुलिस

15.85 % तक प्रस्तावित
बिजली दर वृद्धि तत्काल वापस लो !
कॉफी

पूछताछ में मारे गए व्यापारी बलवंत सिंह के परिवार को 1 करोड़ मुआवजा और सरकारी नौकरी देने की मांग की गई।

व्यापार सभा ने कहा कि जीएसटी के नाम पर उत्पीड़न, बढ़ते अपराध, छापेमारी, इंस्पेक्टर राज, पुलिस बर्बरता, झूठे मुकदमे, लूट, हत्या, मंहगाई के कारण व्यापारी समाज बेहद तनाव में है और समस्याएं कम होने का नाम नहीं ले रही। भाजपा सरकार व्यापारियों के उत्पीड़न के रिकॉर्ड कायम कर रही है।

चौपालों में व्यापारी समाज ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। चौपाल में व्यापारियों ने बताया कि किस तरह उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। व्यापारियों ने चौपाल में कहा कि सरकार चुन चुनकर व्यापारियों के यहां जीएसटी और दूसरे तरीकों से छापा मारकर परेशान कर रही है। पिछले दिनों जीएसटी के नाम पर छापेमारी से पूरे प्रदेश के व्यापारी समाज में दहशत का माहौल था। दुकानें बंद कर व्यापारी समाज इधर-उधर भागा भागा फिर रहा था।

यूपी के व्यापारियों का कहना है कि यूपी में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की जगह ईज ऑफ डूइंग व्यापारी उत्पीड़न का माहौल है।

व्यापार सभा के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष संजय गर्ग व निवर्तमान प्रदेश महासचिव श्री अभिमन्यु गुप्ता ने केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकारों को व्यापारियों की दुर्दशा का कारण बताया। संजय गर्ग व श्री अभिमन्यु गुप्ता ने सरकार से तत्काल व्यापारियों को राहत देने और व्यापारियों का उत्पीड़न बंद करने की मांग की।

संजय गर्ग ने कहा कि भाजपा राज में व्यापारी समाज केवल परेशान है। व्यापारी घोर निराशा में है। व्यापारी समाज आक्रोशित है क्योंकि विसंगतिपूर्ण और जटिल जीएसटी से पहले से ही परेशान व्यापारियों पर साल के अंत में सुनियोजित छापेमारी करके उनका मनोबल तोड़ा गया जिससे व्यापार बुरी तरह से प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की जीएसटी के दरों को कम करने की मांग को लगातार अनदेखी की गई है।

व्यापार सभा के निवर्तमान प्रदेश महासचिव अभिमन्यु गुप्ता ने कहा कि अनाज और खाद्य पदार्थों पर जीएसटी लगाकर व्यापारियों को बड़ी चोट पहुंचाई गई है। व्यापारियों के प्रति लगातार अपराध बढ़ रहे हैं। पुलिस पूछताछ में कानपुर के व्यापारी बलवंत सिंह की हत्या से व्यापारी समाज में आक्रोश है। व्यापारी चौपालों का नेतृत्व सहारनपुर में संजय गर्ग, कानपुर में अभिमन्यु गुप्ता, वाराणसी में प्रदीप जायसवाल, झांसी में अजय सूद, कन्नौज में अंशुल गुप्ता, लखनऊ में पवन मनोचा एवं यासिर सिद्दीकी, महाराजगंज में विजय जायसवाल, उन्नाव में शुभ गुप्ता, हरदोई में राम ज्ञान गुप्ता आदि ने किया।

ख्वाजा गरीब नवाज़ का उर्स

सपा अध्यक्ष ने श्रद्धा के साथ भेजी चादर

बुलेटिन ब्यूरो

महान सूफी संत हज़रत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती र. ह. के 811 सालाना उर्स पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 7 जनवरी 2023 को श्रद्धा के साथ अजमेर शरीफ के लिए चादर रवाना की। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव-नेताजी ने अजमेर शरीफ में चादर भेजे जाने की परंपरा शुरू की थी। इस परंपरा को कायम रखते हुए हर साल सालाना उर्स पर समाजवादी पार्टी की ओर से चादर रवाना की जाती है। यह चादर हज़रत ख्वाजा गरीब नवाज के सालाना उर्स के मौके पर 29 जनवरी को दरबार ख्वाजा साहब में राज्य की प्रगति और कौमी सौहार्द की दुआ के साथ पेश होगी। हज़रत पीर बरकत मियां हाशमी नियाज़ी मदारी कौमी सदर चिश्तियां कमेटी उत्तर प्रदेश के हाथों से ख्वाजा गरीब नवाज साहब के दरबार में यह चादर पेश की गई।

गरीब नवाज के उर्स के लिए चादर रवाना करते हुए श्री अखिलेश यादव ने विश्वभर में मौजूद गरीब नवाज़ सूफी संत के अनुयायियों को मुबारकवाद देते हुए प्रदेश के विकास, सद्भाव और सौहार्द की कामना की है। उन्होंने कहा सूफी-संतों ने हमें मिल जुलकर रहने और परस्पर एक दूसरे के धर्म का सम्मान करने की सीख दी है।

चादर रवाना करने के मौके पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, श्री रामअचल राजभर विधायक, मोहम्मद आजम खान एडवोकेट, मुजीब खान, लाला रमीज खां, राशिद अली चिश्ती, बाबर अली, हस्साम मुजीबी, बासित फैज़ी, संजय यादव, रिजवान अहमद खान, शमशाद फारूखी आदि मौजूद रहे।

समर्थकों के साथ पूर्व मंत्री सपा में शामिल

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी की नीतियों व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व पर आस्था जताते हुए लखीमपुर खीरी के मोहम्मदी के पूर्व विधायक डा आरए उस्मानी ने दर्जनभर समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 12 जनवरी को सभी को पार्टी की सदस्यता दिलाई।

सदस्यता लेने के बाद डा उस्मानी ने 2024 चुनाव में समाजवादी पार्टी को जिताने का संकल्प लिया। समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों में सर्वश्री अब्दुल मन्नान, उस्मानी, हाफिज फुरकान सिद्दीकी, डॉ अब्दुल हमीद, मोहम्मद अनस कुरैशी, सैय्यद अनीस अली, रिजवान उस्मानी, आफताब आलम, मोहम्मद अशहर, मोहम्मद तौकीर, मो वसीम, मो नफीस, मो अमन तथा ठाकुर सूरज सिंह प्रमुख रहे।

जनेश्वर जी के पद चिन्हों पर चलने का संकल्प

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि 22 जनवरी के अवसर पर पूरे प्रदेश में समाजवादियों ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए समाजवादी आंदोलन को और मजबूत करने का संकल्प लिया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने समाजवादी चिंतक स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि पर लखनऊ के गोमतीनगर स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि समाज की समस्याओं के समाधान का रास्ता सिर्फ समाजवादी विचारधारा दे सकती है। समाजवादी विचारधारा सबको बराबरी का हक और सम्मान देती है। इसी विचारधारा से देश और समाज का भला हो सकता है।

समाजवादी पार्टी मुख्यालय तथा जनेश्वर मिश्र ट्रस्ट के अलावा पूरे प्रदेश में समाजवादी पार्टी के कार्यालय पर स्व जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम

किए गए। इस मौके पर स्व मिश्र की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए और उनके आचरण, सिद्वांतों को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया।

लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क में प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जनेश्वर मिश्र जी, डा ॅ राम मनोहर लोहिया, जय प्रकाश नारायण और कर्पूरी ठाकुर की पीढ़ी के नेता रहें। उन्होंने नेताजी मुलायम सिंह यादव के साथ मिलकर समाजवादी आंदोलन को आगे बढ़ाया। आज हम समाजवादी साथी समाजवादी आंदोलन को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार समाज में नफरत और भेदभाव बढ़ा रही है।

भाजपा राज में महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। गरीब आज न्याय की उम्मीद नहीं कर सकता है। भाजपा संविधान में दिए गए लोकतांत्रिक अधिकारों को छीन रही है। यह सरकार सामाजिक न्याय की दुश्मन और पिछड़ों, दलितों की विरोधी है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने पिछले विधानसभा चुनाव में कहा था कि सरकार बनेगी तो तीन महीने में जातीय जनगणना कराई जाएगी। भाजपा कभी भी पिछड़ों को हक और सम्मान नहीं देना चाहती है। बिहार सरकार जातीय जनगणना करा रही है। यह एक अच्छा कदम है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार जानबूझकर निजीकरण को बढ़ावा दे रही है। भाजपा ऐसी नीतियां बना रही है जिससे सिर्फ कुछ उद्योगपतियों को लाभ हो रहा है। भाजपा ऐसे कानून बना रही है जिससे पूरी सरकार एक प्राइवेट हाथों में चली जाए। इसी तरह का एक कानून ब्रिटेन में पास हुआ

था, उसके बाद भारत में कारोबार करने वाली ईस्ट इण्डिया कम्पनी की सरकार बन गई थी। भाजपा सरकार भी उसी रास्ते पर काम कर रही है। प्रदेश और देश की बिगड़ी स्थिति को समाजवादी विचारधारा ही सुधार सकती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने हर क्षेत्र में प्रदेश को पीछे ढकेल दिया है। आज हर वर्ग नाराज है। किसानों, नौजवानों, व्यापारियों में आक्रोश है। ऐसा लग रहा है कि लोकसभा चुनाव में सभी 80 सीटें भाजपा हार जाएगी। पूरी सरकार निवेश के नाम पर जनता को धोखा दे रही है। सरकार न्यूयार्क, लंदन से निवेश लाने गई थी। अब उसे जिलों-जिलों में निवेश सम्मेलन करना पड़ रहा है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने समाजवादी पार्टी की सरकार में बनाए गए जनेश्वर मिश्र पार्क, गोमती रिवरफ्रंट तथा अन्य विकास कार्यों को बर्बाद कर दिया है।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चैधरी, पूर्व कैबिनेट मंत्री रविदास मेहरोत्रा, विधायक संग्राम सिंह, जय प्रकाश अंचल, एमएलसी जासमीर अंसारी, पूर्व मंत्री आर.के. चौधरी, स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र के नाती विश्व भूषण तिवारी, पूर्व एमएलसी डा ॅ मधु गुप्ता, श्री शशांक यादव, रामबृक्ष सिंह यादव एवं डॉ. राजपाल कश्यप, राजेश यादव, वरिष्ठ नेता अनुराग यादव, पारस नाथ यादव, राजीव राय, डा ॅ फिदा हुसैन अंसारी सहित सैकड़ों नेताओं ने श्री जनेश्वर मिश्र को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

जनेश्वर मिश्र बड़े सपनों वाले नेता

मधुकर त्रिवेदी
वरिष्ठ पत्रकार

मेरे लिए यह सौभाग्य की बात थी कि सन् 60 के दशक में समाजवादी आन्दोलन से जुड़ाव के साथ ही इसके कई प्रमुख नेताओं का सान्निध्य भी मुझे मिल गया था। प्रारम्भ से ही मेरी निकटता श्री रमाशंकर गुप्ता से थी जो 98-बी दारूलशफा, लखनऊ में श्री राजनारायण के आवास पर ही रहते थे। पानदरीबा स्थित कार्यालय पर भी मेरा आना-जाना होने लगा। यहीं प्रो वासुदेव सिंह, रामेश्वर सिंह, जार्ज फर्नाण्डीज, उग्रसेन सिंह, कैप्टन अब्बास अली, काशीनाथ मिश्र, प्रभुनारायण सिंह, मधुकर दिघे, राम स्वरूप वर्मा, महराज सिंह भारती, लाडली मोहन निगम आदि अनेक नेताओं से मुलाकात हुई। श्याम मिश्र, के.के. नायर, सत्यदेव त्रिपाठी तो मित्रवत रहे।

डा राम मनोहर लोहिया लखनऊ में अमीनाबाद स्थित श्री गोपाल नारायण सक्सेना उर्फ पालनजी के घर पर रुकते थे। वहीं श्री रामसागर मिश्र ने जनेश्वर मिश्र जी से मुलाकात कराई थी। फिर उनसे मिलने का सिलसिला चल पड़ा। समाजवादी युवजन सभा के कार्यक्रमों में उनका मार्गदर्शन मिलता रहता था।

उनका व्यक्तित्व शानदार था। कद-काठी का रुआब पड़ता था। उनके निकट होते ही उनका खिलंदड़ स्वभाव सामने वाले को गुदगुदा देता था। खाने पीने के जितने शौकीन थे, उससे ज्यादा खिलाने के। मिठाई कमजोरी थी। सुबह जलेबी दही का नाश्ता अक्सर होता था। लाई चना मिल बांटकर खाते थे। मधुमेह के रोग ने उनके शरीर को जर्जर कर दिया पर सार्वजनिक जीवन में उनकी सक्रियता अंतिम क्षणों तक बरकरार रही।

आचरण और व्यवहार दोनों में समाजवादी थे। सादगी और सदाचरण का पाठ उन्होंने डाॅ साहब से पढ़ा था। डाॅ साहब ने कम से कम खर्च में जीना और दूसरे की मदद में अपनी सबसे अच्छी चीज देने की सीख दी थी। दूसरों की मदद में आगे रहते थे। बड़े नेता और मंत्री होने का उनमें जरा भी गुमान नहीं था।

डाॅ लोहिया के बाद मधुलिमये को बौद्धिक पक्ष और राजनारायण को

कर्मपथ का प्रतिनिधि बताया गया था लेकिन जनेश्वर जी में बौद्धिकता और आंदोलनकारी सक्रियता दोनों का विरल मेल मिलाप था। कभी धन सम्पदा की लालसा नहीं की। जेब खाली रहे तो भी उनके ठाठ शाही होते थे।

डा लोहिया के निधन के बाद समाजवादी साथियों में बिखराव हो चला था। दिग्गज भी हताश दिख रहे थे। ऐसे में श्री मुलायम सिंह यादव ने जब समाजवादी पार्टी बनाई तो जनेश्वर मिश्र जी स्वतः साथ आ गए थे।

जनेश्वर जी मानते थे कि जरूरी नहीं कि उनकी जिन्दगी में ही समाजवाद आ जाएगा। यह अपार धीरज की लड़ाई होगी। जिसमें अपार धीरज नहीं होता वह समाजवाद की पलटन को छोड़कर चला जाता है। उन्होंने चेताया कि सत्ता प्राप्त कर लेने से समाजवाद की प्राप्ति नहीं हो जाती। सामाजिक परिवर्तन से ही सत्ता का चरित्र बदला जा सकता है। सत्ता परिवर्तन तो समाजवादियों की सबसे महत्वहीन कार्रवाई रही है।

जनेश्वर जी इस बात पर जोर देते थे कि राष्ट्रीय मुद्दों पर हर स्तर पर बहस चलानी चाहिए। नेताओं के भाषण सुन लेने भर से सामाजिक, आर्थिक परिवर्तन की राजनीति नहीं गरमाएगी। भूख की मार सहते सहते जनता सो गई है। उसे जगाने की जरूरत है। यह काम समाजवादियों को ही करना है। भेदभाव के बारे में सोचोगे तो दिमाग गरम हो जाएगा, तब गरीब की लड़ाई लड़ सकोगे। जो लोग समाजवाद की किताबी व्याख्या करते हैं और उसका आचरण नहीं करते हैं वे कोई छाप नहीं छोड़ते हैं। कथनी और करनी की एकता समाजवादी चरित्र की प्राथमिकता है।

सत्ता प्राप्त कर लेने से समाजवाद की प्राप्ति नहीं हो जाती। सामाजिक परिवर्तन से ही सत्ता का चरित्र बदला जा सकता है। सत्ता परिवर्तन तो समाजवादियों की सबसे महत्वहीन कार्रवाई रही है

इलाहाबाद में समाजवादी पार्टी के चिंतन शिविर में जनेश्वर मिश्र ने नौजवानों को यह संकल्प लेने को कहा था कि रोज एक या दो घंटा अकेले में बैठकर सपना देखो, जागते हुए सपना, देश व समाज के बारे में सपना, जिस समूह में रहते हो उस समूह के बारे में सपना, विद्यार्थी समूह में रहते पढ़ने वालों के बारे में सपना। याद रखना जितना बड़ा सपना देखोगे उसको हासिल करने के लिए उतना ही बड़ा संघर्ष करना पडेगा। उन्होंने कहा था कि बड़े मकसद के लिए लड़ते हुए मिट जाना भी एक शानदार मौत है। सामान्य ढंग से एड़ी रगड़कर मर जाने को तो मैं मौत नहीं मानता। उनके जीवन का अंत अन्याय और असमानता के विरुद्ध संघर्ष करते हुए हुआ।

19 जनवरी 2010 को बसपा सरकार के अंधेरराज के विरोध में समाजवादी पार्टी का जेल भरो आन्दोलन था। इलाहाबाद में प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए जनेश्वर जी ने, जो उस समय अस्वस्थ थे, कहा काश पुलिस की एक लाठी मेरे ऊपर लगती और मेरी मौत हो जाती। 22 जनवरी 2010 को जीवन के अन्तिम दिन तक समाजवाद की अलख जगाने वाले जनेश्वर मिश्र हम सबको यह उम्मीद देकर विदा हो गए कि उनके बाद समाजवादी आन्दोलन और ज्यादा गति पकड़ेगा। यह काम नौजवानों को ही करना होगा। दुनिया में जहां क्रांति हुई उसकी अगुवाई नौजवानों ने ही की।

सामाजिक न्याय के पुरोधा थे शरद यादव

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी नेता श्री शरद यादव के निधन पर समाजवादी पार्टी ने पूरे प्रदेश में शोकसभाएं कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। समाजवादियों ने दिवंगत शरद यादव के सामाजिक न्याय के लिए किए गए संघर्षों को याद किया।

13 जनवरी को श्री शरद यादव के निधन पर समाजवादी पार्टी मुख्यालय पर शोकसभा की गई। शोकसभा में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं व कार्यकर्ताओं ने दिवंगत शरद यादव के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने शोक संवेदन व्यक्त करते हुए कहा कि श्री शरद यादव जी सामाजिक न्याय के पुरोधा थे। वे जीवन पर्यन्त समाजवादी विचारों और सामाजिक न्याय के लिए संघर्षरत रहे। उन्होंने आपातकाल में लोकतंत्र बचाने के लिए जेल की यातनाएं भी सही। उन्होंने सड़क से सदन तक पिछड़ों, दलितों, महिलाओं और किसानों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी। संसद में उनके विचारों को सभी लोग बहुत गम्भीरता से सुनते थे। उनका निधन समाजवादी आंदोलन के लिए बहुत बड़ी क्षति है।

शोकसभा में पूर्व मंत्री बलराम यादव, राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, विधायक दुर्गा प्रसाद यादव, मनोज पाण्डेय मुख्य सचेतक विधानमंडल दल, विधायकगण समरपाल सिंह, संग्राम यादव, रविदास मेहरोत्रा, त्रिभुवन दत्त, पूर्व विधायक राममूर्ति वर्मा, पूर्व एमएलसी अरविन्द कुमार सिंह, रामआसरे विश्वकर्मा, उदयवीर सिंह, रामबृक्ष सिंह यादव आदि मौजूद थे।

जननायक कर्पूरी ठाकुर को याद किया

बुलेटिन ब्यूरो

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कर्पूरी ठाकुर जी की 98वीं जयंती समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय समेत उत्तर प्रदेश के सभी जिला-महानगर कार्यालयों में सादगी से मनाई गई। समाजवादियों ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कर्पूरी जी को वंचित समाज का मसीहा बताया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि जननायक श्री कर्पूरी ठाकुर पिछड़ों को न्याय दिलाने के लिए आजीवन संघर्षरत रहे। कर्पूरी जी ने समाज के शोषित वंचित तबके को स्वाभिमान से जीवन जीने का रास्ता दिखाया।

समाजवादी पार्टी मुख्यालय पर कर्पूरी ठाकुर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि महंगाई, भ्रष्टाचार के विरुद्ध हमें फिर जयप्रकाश नारायण की सम्पूर्ण क्रांति व डॉ राममनोहर लोहिया की सप्तक्रांति के लिए संघर्ष करना होगा।

श्री यादव ने कहा कि आरक्षण को खत्म करने के लिए निजीकरण का बढ़ावा दिया जा रहा है। बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के सपनों को भाजपा से खतरा है।

कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर सर्वश्री अवधेश प्रसाद, राजेन्द्र चौधरी, अम्बिका चौधरी, विधायकगण रफीक अंसारी, राकेश प्रताप सिंह, डॉ राजपाल कश्यप, सुरेश यादव, पूर्व विधायक उदयवीर सिंह, उत्तराखण्ड के प्रदेश अध्यक्ष शम्भू पोखरियाल, श्री रामतेज यादव, श्री प्रदीप बजाज आदि ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।

सावित्रीबाई फुले ने महिलाओं में नई चेतना जगाई

बुलेटिन ब्यूरो

समाजसेवा व शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए विख्यात सावित्रीबाई फुले की जयंती पर 3 जनवरी को समाजवादी पार्टी ने प्रदेशभर में उन्हें याद किया और उनके योगदान को रेखांकित करते हुए नमन किया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने श्रीमती सावित्रीबाई फुले को शतशत नमन करते हुए कहा कि जाति की जंजीरों को तोड़कर महिलाओं में नई चेतना जगाने में सावित्रीबाई फुले का बड़ा योगदान रहा। उन्होंने महिलाओं को अपने अधिकारों और सम्मान के लिए जागरूक बनाया। समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव की ओर से राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी तथा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने देश की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

अन्याय के खिलाफ हमेशा मुखर रहे राजनारायन

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी ने प्रदेश मुख्यालय समेत पूरे सूबे में लोकबंधु राजनारायण की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनसे प्रेरणा लेकर समाजवादी आंदोलन को और मजबूती देने का संकल्प लिया। 31 दिसंबर को पुण्यतिथि पर श्री राजनारायण जी को विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि श्री राजनारायण जी अन्याय के खिलाफ हमेशा मुखर रहे और आजीवन समाजवादी मूल्यों के लिए समर्पित रहे। समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में लोकबंधु की पुण्यतिथि पर सर्वश्री रामगोविन्द चौधरी, राजेन्द्र चौधरी, नरेश उत्तम पटेल, अम्बिका चौधरी आदि नेताओं ने श्री राजनारायण जी के चित्र पर माल्यार्पण अर्पित कर उन्हें नमन किया।

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

नये साल में यही दुआ सबका मुँह मीठा हो
सबका कारोबार चले बड़ा हो या छोटा हो!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

खुशी दुबे की जमानत 'भाजपा के अन्याय और नारी उत्पीड़न' के दुष्प्रयासों की करारी हार है।

भाजपा याद रखे अंततः जीत न्याय की ही होती है; अहंकार की नहीं।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

फ़िल्म मनोरंजन का साधन है लेकिन भाजपा सरकार ने इसे सियासी विचारधारा का हथकंडा बना लिया है। सिनेमा के विषय को ही नहीं, सिनेमा जगत को भी भाजपा की 'डर और अविश्वास' फैलानेवाली नफ़रत की तलवार से दो फाड़ किया जा रहा है।

सार्थक सिनेमा उम्मीद और बदलाव लाता रहा है पर भाजपा ये नहीं चाहती।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

पूरी दुनिया के हिंदीप्रेमी व हिंदीभाषी लोगों को 'विश्व हिंदी दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएँ!

मानक हिंदी की रक्षा करते हुए हिंदी को व्यावहारिक बनाना समय की मांग है।

मातृभाषा के विकास से आत्मविश्वास का विकास होता है।

#विश्व_हिंदी_दिवस

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

भाजपा सरकार उप्र पुलिस पर गलत दबाव डालकर जो गिरफ़्तारियाँ करवा रही है उसके पीछे कोई नैतिक आधार नहीं है। भाजपा अपने लोगों से नारी सम्मान के विरूद्ध अपशब्द और दूषित विचार फैलाती है और फिर उसकी प्रतिक्रिया को दंडित करती है न कि उनको जिन्होंने इसकी शुरुआत की।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

"मैं समाजवादी हूँ, इसलिए नहीं कि मैं इसे सबसे बढ़िया और निर्दोष व्यवस्था समझता हूँ, बल्कि इसलिए कि आधी रोटी अच्छी है, रोटी न मिलने से।"

– स्वामी विवेकानंद

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

अरबों के निवेश का दावा करनेवाली उप्र की भाजपा सरकार 'काऊ मिल्क प्लांट' का बजट तक नहीं दे पा रही है,जिससे डेयरी संचालक और पशुपालकों का लाखों का भुगतान अटका है। ऐसे में कौन 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' के दावे को सच मानेगा, सरकार अपना लगाया प्लांट ही नहीं चला पा रही है तो दूसरों का क्या।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

आज कन्नौज के इत्र संग्रहालय में... अच्छे काम की अच्छी ख़ुशबू.

भाजपा सरकार से निवेदन है कि सपा काल में बने इस संग्रहालय का अच्छी तरह रख-रखाव करे, इसे भाजपाई दुर्भावना व उपेक्षा का संग्रहालय न बनाए।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

राजनीतिक प्रभाव से वैज्ञानिकों पर दबाव बनाकर, जोशीमठ की दरारों की सच्चाई छिपाने की भाजपा सरकार की कोशिश घोर निंदनीय है। लाखों लोगों की ज़िंदगी दांव पर लगी होने की वजह से ये बहुत गंभीर विषय है।

जोशीमठ की परियोजनाओं के बारे में 'पर्यावरण प्रभाव आकलन' (EIA) की रिपोर्ट का खुलासा हो।

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 16 Jan

रायबरेली सड़क हादसे में जान गंवानेवाले ग्रामीणों के परिजनों को सपा द्वारा आज 1-1 लाख रुपये की संवेदना राशि के चेक प्रदान किये गये।
भाजपा सरकार से अपील है कि परिवारवालों का दुख-दर्द एक परिवारवाले की तरह समझे और 20-20 लाख की सहायता राशि दे और इन परिजनों को जीविका का कुछ साधन भी दे।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

गलती तो उन लोगों की भी
से अन्ना पशुओं की समस्या
वादा करके वोट तो ले लेते
के बाद जनता को ही दोषी

वोट का दोहन करने के बा
अपने हाल पर भटकने के

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

आज रायबरेली में दसवीं प
के साथ-साथ ज़िम्मेदारियों
देखा।

सरकार के द्वारा इनके सिर
इनकी उच्च शिक्षा का प्रबं
हो।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

आज सपा प्रवक्ता श्री अब्ब
पर पहुंचकर पंचतत्व में वि
बेगम हैदर एवं पत्नी उज़्मा
अर्पित किये श्रद्धा सुमन।

शोकाकुल परिजनों के प्रति

Translate Tweet

Following

है जो चुनाव में जनता
को ख़त्म करने का
हैं लेकिन चुनाव जीतने
ठहराते हैं।

द भाजपा जनता को
लिए छोड़ देती है।

ास लड़कियों को पढ़ाई
का बोझ भी उठाते

से बोझ उतारकर
थ हो तो कितना अच्छा

ास हैदर जी के आवास
लीन उनकी माताजी
अब्बास हैदर जी को

संवेदना।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

सपा कार्यालय में आज।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

उप्र में अवैध खनन करनेवालों बुलडोज़रों पर बुलडोज़र कब चलेगा या फिर हिस्सा-बाँट की मिलीभगत का गोरखधंधा यूँ ही चलता रहेगा।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

उप्र में सुदूर... दूरदराज़ से जो अधिकारी डेपुटेशन पर आए हैं, उनका मक़सद क्या प्रदेश को सरेआम लूटना ही है। जनता से जो लूटा जा रहा है, उसका हिस्सा किस-किस को जा रहा है?

ऐसे अधिकारी पूरे देश में उप्र की पुलिस की छवि बिगाड़ रहे हैं। इनकी तुरंत जांच कर मूल राज्य में 'प्रदेश वापसी' हो।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Thank you, Your Excellency Dr. Philipp Ackermann @AmbAckermann — enjoyed the delightful dinner and conversations.

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

आजीवन शोषितों, पीड़ितों, वंचितों के हक़ के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करने वाले बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कर्पूरी ठाकुर जी की जयंती पर शत-शत नमन एवं विनम्र श्रद्धांजलि।

Translate Tweet

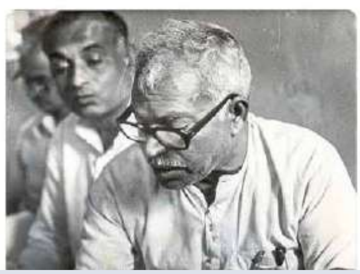

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 19 Jan

भाजपा ने अपनी सरकार जाने के दिनों की उल्टी गिनती गिनना ख़ुद ही शुरु कर दिया है। चंद अमीरों को लाभ पहुँचाने और जनता व देश को महँगाई, ग़रीबी, भ्रष्टाचार, मंदी, बेरोज़गारी और नफ़रत के दलदल में झोंकने के बाद, जब हार सामने दिख रही है तब भाजपा को अल्पसंख्यकों की याद आयी है।

शर्मनाक!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

आज भी कुछ लोग 'मंदिर-प्रवेश' का अधिकार हर किसी को नहीं देना चाहते हैं। सच तो ये है कि जो किसी को मंदिर जाने से रोके, वो अधर्मी है क्योंकि वो धर्म के मार्ग में बाधा बन रहा है।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

ये आशीर्वाद का नया है तीरथ अब यहीं पर सर झुकाना है
मिला बीते साल का सबक यही कि सबको आना-जाना है

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

विवाह समारोह, हल्द्वानी।

Translate Tweet

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2021-2023 कुल पृष्ठ :48 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

समाजवादी पार्टी

www.samajwadiparty.in

समाजवादियों-अंबेडकरवादियों ने ठाना है
आरक्षण को हर हाल में बचाना है